CLASS- 3

SUBJECT-2ND LANGUAGE HINDI

CHAPTER-8

TOPIC – मैं सड़क हूँ

WORSHEET

सार:-

● बच्चों सड़क हमारे जीवन का बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है। हमें कहीं भी जाना होता है तो हम सड़क का ही इस्तेमाल करते हैं। आज हम एक ऐसी कहानी पढ़ेंगे जिसमें सड़क अपने मुँह से ही अपनी कहानी हमें बता रहा है। सबसे पहले सड़क अपनी बनावट के बारे में बता रही है कि सड़क मिट्टी,पत्थर, तारकोल आदि से बनी होती है। जब भी मनुष्य को कहीं भी जाना होता है एक स्थान से दूसरे स्थान पर जब भी जाने की जरूरत पड़ती है तो शायद सड़क का जन्म हुआ होगा।

 सड़क हमें बता रही है कि पहले वह केवल मिट्टी की बनती थी लेकिन उस समय लोगों को उस पर चलना कठिन लगता था। वर्षा के दिनों में मिट्टी की सड़क होने से सड़क कीचड़ का रूप धारण कर लेती थी लेकिन धीरे-धीरे उसके रूप को सँवारा

जाने लगा और आज ज्यादातर सड़क पत्थर सीमेंट और तारकोल से बनाई जाती है। सड़क कह रही है कि आज उसने गाँव को शहर से जोड़ दिया है।

 आगे सड़क हमें कहती है कि आजकल तो बड़ी बड़ी कंपनियाँ सड़क को बनाने का काम करती हैं। बड़ी-बड़ी मशीनों से सड़क को बनाया जाता है और सड़क के किनारे फूलों के पौधे और छायादार पेड़ लगाए जाते हैं। रोशनी के लिए सड़क के आसपास दोनों और बड़े-बड़े बल्ब के खंभे लगाए जाते हैं ताकि रात के समय यात्रियों को यात्रा करने में परेशानी ना हो।

 सड़क कहती है कि आज उसे कई नामों से पुकारा जाता है कहीं वह गाँव का रास्ता कहलाती है। कहीं वह बड़े- बड़े नगरों को जोड़ने वाला रास्ता कहलाती है तो कहीं उसे राष्ट्रीय महामार्ग का नाम दिया गया है। अपनी परेशानी बताते हुए सड़क कहती है कि गर्मी के दिनों में वह बहुत गर्म हो जाती है लेकिन जब मुसाफिर उसके किनारे पर लगे हुए छायादार पेड़ों के नीचे आराम करते हैं तो उसे बहुत खुशी मिलती है। वर्षा के दिनों में सड़क कई स्थानों से टूट जाती है और उस पर छोटे-बड़े गड्ढे बन जाते हैं इससे न केवल सड़क को परेशानी होती है बल्कि

जो लोग उस सड़क पर चलते हैं या गाड़ियाँ चलाते हैं उन्हें भी परेशानी होती है।

• सड़क कह रही है उसके किनारे पर यातायात के संकेत- चिन्ह् होते हैं। जो लोग उन चिह्नों का पालन करते हैं उनकी यात्रा बहुत ही सुख देने वाली होती है लेकिन जो लोग उन संकेत- चिह्नों का पालन नहीं करते हैं उनकी दुर्घटना हो जाती है और उस दुर्घटनाओं में घायल और मरे हुए लोगों को देखकर उसे बहुत तकलीफ होती है।

 सड़क कह रही है कि शहरों में उसका रूप बिगाड़ने में मनुष्य कोई कसर नहीं छोड़ता है। मनुष्य सड़क पर कूड़ा-करकट फेंक देता है। चलते- चलते लोग सड़क पर थूक देते हैं। सड़क कह रही है कि उसकी नियमित रोजाना सफाई न करने से उसके आस-पास मिट्टी के ढेर जमा हो जाते हैं।

 सड़क अपनी परेशानी बताते हुए कहती है कि इतना सब कुछ सहने के बाद भी उसकी यही कोशिश रहती है कि वह लोगों को अपने लक्ष्य तक सही सलामत पहुँचा दे। सड़क कह रही है कि उसका लक्ष्य है चलते रहो और वह मनुष्यों को यही कहना चाहती है कि जीवन में सुख- दुख की परवाह न करते हुए हमेशा चलते रहना चाहिए।

 बच्चों इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपने जीवन में कभी भी सुख या दुख के बारे में सोच कर चलना बंद नहीं करना चाहिए। हमें हमेशा अपने जीवन में आगे बढ़ते रहना चाहिए।

Q1. <u>निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए:-</u>

(a) ग्रामीण-
(b) सुखद-
(c) मंजिल-
(d) कठिन-
(e) नियमित-

Q2. <u>एक शब्द में उत्तर दें:-</u>

(a) पहले सड़क किस चीज से बनी होती थी?
(b) आजकल सड़क का निर्माण कौन करता है?
(c) आजकल सड़क को किन चीजों से बनाया जाता है?
(d) किसने गाँव को शहर से जोड़ दिया है?

(e) सड़क का लक्ष्य क्या है?

Q3. <u>निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाएं:-</u>

(a) निर्माण-

(b) कठिन-

(c) सुखद-

(d) प्रयत्न-

(e) नियमित-

EXERCISES FROM THE BACK OF THE LESSON

PAGE NO. 46

Q2. सोचें और बोलें:-

(i) (ii) (iii)

PAGE NO. 46&47.

Q3. लघु उत्तर लिखें:-

(ii) (iii) (iv) (v)

PAGE NO. 47.

Q4. सही शब्दों से वाक्य पूरे करें:-